उप-समिति का यह विचार था कि रिपोर्ट में दिये हुए आब्जर्वेशनस (ovservation) के सारे ब्यौरे पूरी तरह से शामिल नहीं थे, इसलिये सिफारिश की कि अगली बैठक में विचार करने के लिये एक अधिक ब्यौरे वाली रिपोर्ट प्राप्त की जाये।

t[THE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): Since the Report has not yet been submitted to the Government of India by the Indian Central Oilseeds Committee to whom it was submitted by the Government of Uttar Pradesh the question of approving the same does not arise at present.

The Report was, however, considered by the Technological Research Sub-Committee of the Indian Central Oilseeds Committee at its meeting held in July 1957. The Sub-Committee was of the opinion that the report did not contain all the details Of the observations made in the scheme and, therefore, recommended that a more detailed report may be obtained for consideration at the next meeting.]

RETRENCHMENT IN D. V. C.

1301. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) the number of workers so far retrenched in the Damodar Valley Corporation; and

(b) how many of them have been absorbed in 'other projects or works?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (SHRI S. K. PATIL): (a) and (b). Up to the 10th August 1957, 2858 workers of the Damodar Valley Corporation were served with the retrenchment notices, out of whkh 73 persons left voluntarily and 2550 were provided with alternative employment.

रौकफैलर फाउंडेशन की ओर से अन्न के सुधार कार्य के लिये विशेषज्ञ

१३०२. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि रौकफैलर फाउंडेशन की ओर से अन्न के सुधार के लिए जो वैज्ञानिक तथा विशेषज्ञ चीफ स्पेशलिस्ट के स्थान के लिए आने वाला था, क्या वह आ गया है और यदि आ गया है, तो उसका नाम क्या है, उसकी योग्यतायें क्या हैं और उसके अब तक के कार्य की प्रगति का विवरण क्या है ?

t [EXPERT FROM ROCKEFELLER FOUNDATION FOR CEREAL IMPROVEMENT WORK

1302. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state whether the scientist and expert, who was expected to be assigned to India by the Rockefeller Foundation for the post of Chief Specialist for Cereal improvement has come and if so, what are his name and qualifications and what are the details of the progress so far made by him in his work?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) : रौकफैलर फाउंडेशन द्वारा दिया हुआ मकई विशेषज्ञ १७ फरवरी १९५७ को दिल्ली में आया। उसका नाम डा० यू० जे० ग्रान्ट है। वह अमेरिका के विश्वविद्यालय का स्नातक है, जहां पर उसने मकई की फसलों पर अनुसन्धान करने के फलस्वरूप पी० एच० डी० की डिग्री प्राप्त की थी। उसके पश्चात वह केन्द्रीय और दक्षिणी अमेरिका के देशों में जहां पर उसी प्रकार की आयोजना जैसी इस समय भारत में आरम्भ की जा रही है, मकई के प्रजनन कार्य पर लगा हुआ था।

१९५४ में डा० ग्रान्ट की सेवायें केवल ३ मास के लिए उपलब्ध की गई थीं। इस समय के दौरान में उसने भारत में मकई पर अनुसन्धान

†[ ] English translation.